Chhatrapati Shahu Ji Maharaj
University, Kanpur

**Answer Script Details**
**Barcode** 10484296

**Roll No.** 23262000054
**Total Mark** 67/75.00

**Exam** BACHELOR OF ARTS_ODD EXAM-DEC-24
**Subject** A310302T - HISTORY OF TABLA

**Question wise Mark Summary**

| Q.No | Mark | Q.No | Mark | Q.No | Mark | Q.No | Mark |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1A | 5/5 | | | | | | |
| 1B | 4/5 | | | | | | |
| 1C | 5/5 | | | | | | |
| 1D | 5/5 | | | | | | |
| 1E | 5/5 | | | | | | |
| 1F | 5/5 | | | | | | |
| 1G | 5/5 | | | | | | |
| 1H | 4/5 | | | | | | |
| 1I | 5/5 | | | | | | |
| 2 | NA/15 | | | | | | |
| 3 | 12/15 | | | | | | |
| 4 | NA/15 | | | | | | |
| 5 | NA/15 | | | | | | |
| 6 | NA/15 | | | | | | |
| 7 | NA/15 | | | | | | |
| 8 | 12/15 | | | | | | |
| 9 | NA/15 | | | | | | |

Date of Exam: 13/01/25 Shift: IInd Room No.: ...
Paper Code: A310302T Subject: Music Tabla Year/Sem: III Sem
Name of Candidate: SHIVANGI DIXIT
Roll No. 2 3 2 6 2 0 0 0 5 4

COE Facsimile

Signature of Invigilator

Signature of Candidate

# Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
## Kanpur, Uttar Pradesh

PART-II

MARKS OBTAINED

| Q. | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (a) | | | | | | | | | | |
| (b) | | | | | | | | | | |
| (c) | | | | | | | | | | |
| (d) | | | | | | | | | | |
| (e) | | | | | | | | | | |
| (f) | | | | | | | | | | |
| (g) | | | | | | | | | | |
| (h) | | | | | | | | | | |
| (i) | | | | | | | | | | |
| (j) | | | | | | | | | | |
| Total | | | | | | | | | | |

Total Marks in Figures | Max. Marks

Total Marks in Words

A 3 1 0 3 0 2 T

Paper Code

Signature of Evaluator

Course: B.A. Fine Arts

Session: 2024-25 Year/Semester: III Sem.

Subject: Music Tabla

Paper Code

A 3 1 0 3 0 2 T

Exam Date

1 3 0 1 2 0 2 5

Name of Candidate

S H I V A N G I D I X I T

Father's Name

R A M K U M A R D I X I T

महाविद्यालय का कोड
College Code

K N 0 1 5

परीक्षा केन्द्र का कोड
Exam Centre Code

K N 0 1 5

परीक्षा का प्रकार
Type of Exam

संस्थागत Regular ● | भूतपूर्व परीक्षार्थी Ex. Student ○

व्यक्तिगत Private ○ | बैक पेपर परीक्षा Back paper Exam ○

ANSWER BOOKLET NO.

10484296

A 3 1 0 3 0 2 T

Paper Code

नामांकन संख्या
Enrollment Number

C S J M A 2 3 0 0 0 1 1 6 3 6 2

परीक्षार्थी अनुक्रमांक संख्या Candidate's Roll Number

2 3 2 6 2 0 0 0 0 5 4

पेपर कोड Paper Code

A 3 1 0 3 0 2 T

Signature of Candidate

Signature of Invigilator

C S Facsimile

COE Facsimile

नोट : 1. परीक्षार्थी को निर्देशित किया जाता है कि आवरण पन्ने के पृष्ठ भाग पर अंकित सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।
2. बीजक में भरी जाने वाली प्रविष्टियाँ बायी तरफ से शुरू की जायें। 3. गोलों को काले या नीले बॉलपेन से भरा जायें।

#### INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

#### INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in ☐ Boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below blacken the circles completely.




4. Make no Stray marks on this sheet.
5. **DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.**

#### परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ें
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों पर दोनों तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र कोड सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका (1–24) से कम है या कटे हुए है, तो परीक्षा शुरू होने के पूर्व दूसरी पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथ में कोई त्रुटि है तो उसके परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट के अन्द निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पैंसिल का प्रयोग न करें।
10. B कोपी या अतिरिक्त ग्राफ नहीं दिया जायेगा।

#### IN ORDER TO AVOID UFM (UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/ electronic watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

#### INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Pa Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-32) or any other kind of dam in your answer script, if found than change the answer s immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy Subject Code, Subject Name and Question of the Ques Paper during first THIRTY MINUTES of the commencemen the exam, so that it can be corrected in TIME. After that corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over pap should fill in status as Carry Over. Those appearing as Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be providec

#### अनुचित साधन से बचने हेतु:

1. उत्तर पुस्तिका के निर्देशित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक कहीं और न लिखें तथा कोई भी चिन्ह न बनायें क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेड़ करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लाये, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़ें, मोबाईल, डिजिटल डायरी, कोपी, पुस्तक यह सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती है। केवल संबंधित प्रश्नपत्र में ही मेमोरी लैस साइंटफिक केल्कुलेटर ले जाने की अनुमन्यता होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रुपये न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिपकायें। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।

#### INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numeral in ☐ Boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

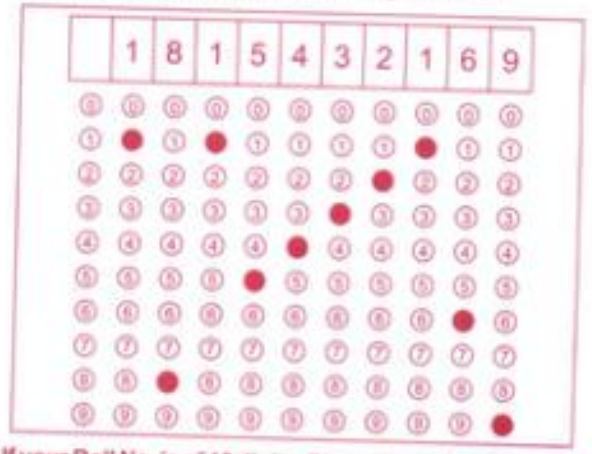




**Note - If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three column**

Paper Code

01

## उत्तर सं० - 1 (a)

भारतीय संगीत वाद्यों को संगीत रत्नाकर ने 4 भागों में बांटा है।

कुछ लोग इसे 5 भाग में वर्गीकृत करते हैं। वे अवनद्ध वाद्य को घन वाद्य के अन्तर्गत ही मानते हैं।

परन्तु संगीत रत्नाकर के अनुसार वाद्य का वर्गीकरण चार भाग में किया गया है -

(1) तत् वाद्य
(2) सुषिर वाद्य
(3) अवनद्ध वाद्य
(4) घन वाद्य

1) तत् वाद्य - वह वाद्य जिनका वादन तंत्र या तार पर प्रहार करने या रगड़ने से होता है, उसे 'तत् वाद्य' कहते हैं। इसे भी कुछ विद्वान दो भाग में बांटते हैं -

(a) तत् वाद्य
(b) वितत वाद्य

वह वाद्य जो उंगली, मिजराब या प्लेक्ट्रम की सहायता से बजाए जाते हैं, तत् वाद्य कहलाते हैं। जैसे - सितार, सरोद, सारंगी आदि।

वह वाद्य जो गज या बो (Bow) की सहायता से बजाए जाते हैं, वितत वाद्य कहलाते हैं। जैसे - वायलिन, बेला, इसराज आदि।

Paper Code

02

२) सुषिर वाद्य – वह वाद्य जो हवा या फूंक के माध्यम से बजाए जाते 'सुषिर वाद्य' कहलाते हैं। जैसे – बांसुरी, हारमोनियम, शहनाई, शंख आदि।

बांसुरी में स्वर फूंक मार के, हारमोनियम में रीड द्वारा तथा शहनाई में पत्ती द्वारा स्वर निकाले जाते हैं।

३) अवनद्ध वाद्य – वह वाद्य जो चमड़े पर आघात अर्थात जिन पर चमड़े पर आघात करके स्वर उत्पन्न किए जाते हैं 'अवनद्ध वाद्य' कहलाते हैं। जैसे – तबला, पखावज, मृदंग, ढोलक आदि।

४) घन वाद्य – वह वाद्य पर जिन पर धातु या डण्डी से आघात करके स्वर उत्पन्न किए जाते हैं, 'घन वाद्य' कहलाते हैं। जैसे – मंजीरा, झुनझुना, घण्टा आदि।

इस प्रकार भारतीय संगीत में वाद्यों को चार भाग में वर्गीकृत किया गया है।

Paper Code

03

# उत्तर सं० - 1 (b)

**भारतीय संगीत में तबला की महत्ता** – जैसा की हम सब जानते हैं अर्थात हम जानते हैं कि कुछ विद्वानों का कहना है कि तबले का आविष्कार तीन से साढ़े तीन सौ वर्ष पुराना है।

मुगलकालीन शासन में तबला नृत्य शृंगारिका के लिए प्रयोग होता था, जिससे तबले की स्थिति अथवा तबला वादकों को अच्छी दृष्टि से नहीं देखा जाता था परन्तु कुछ महान संगीतज्ञों ने ख्याल तथा गत में इसका प्रयोग करके इसका प्रचार - प्रसार किया तथा तबला वादकों को सम्मान व ख्याति प्राप्त हुई।

तबले का निर्माण चर्म द्वारा किया जाता है, इसे चरमज भी कहा जाता है।

भारतीय संगीत में तबला विशेष स्थान रखता है, जिसे अवनद्ध वाद्य कहा जाता है।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code



## उत्तर सं० - 1 (c)

घराना - वह शैली (गायन, वादन तथा नृत्य) जिसका प्रयोग संगीतज्ञ, उनके शिष्य तथा उनके वंश के लोग करते है उसे 'घराना' उसे घराना कहा जाता है। तबले में घरानों तथा तबले की वादन शैली को 'बाज' से संबोधित किया जाता है। इसे दो बाज में विभाजित किया गया है-

(a) पश्चिम बाज (b) पूरब बाज

पश्चिम बाज के अन्तर्गत दिल्ली तथा अजराड़ा घराना तथा पूरब बाज के अन्तर्गत लखनऊ, बनारस तथा फर्रुखाबाद घराना आता है। पंजाबी घराने को स्वतन्त्र घराना माना गया है। तबले के घराने इस प्रकार है -

1) **दिल्ली घराना** - मुगल ~~शासक के~~ शासनकाल में 'मुहम्मद शाह रंगीले' के समय विकसित हुआ।

संस्थापक - उ० सिद्धार खाँ ढाढी (ढाढी सम्प्रदाय)

अन्य नाम - दो उंगली का बाज, चाटी या किनार का बाज।

एकल वादन कायदे से प्रारम्भ होता है।

Paper Code

05

प्रमुख तबला वादक – महबूब खाँ, नत्थू खाँ, गामी खाँ आदि।

२) **अजराड़ा घराना** – पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में अजराड़ा नामक ग्राम है। इसकि निवासी काल्लू खाँ और मीरू खाँ ने इस शैली को विकसित किया।

संस्थापक – कल्लू खाँ और मीरू खाँ

बोल आड़ की डगमगाती लय में चलते हैं।

बाँया या डग्गा का प्रयोग कलात्मक रूप से किया।

प्रमुख तबला वादक – रमजान खाँ, हबीबुद्दीन खाँ, अकरम खाँ आदि।

३) **लखनऊ घराना** – सिद्धार खाँ के पौत्र मोंदू खाँ और बख्श खाँ हैं।

संस्थापक – मोंदू खाँ और बख्शू खाँ

अन्य नाम – इसे लखनऊ बाज या नचकरन बाज भी कहते हैं।

प्रमुख तबला वादक – आबिद हुसैन, वाजिद हुसैन अफाक हुसैन आदि।

Do Not Write anything in this Portion

4) **फर्रुखाबाद घराना** – इसका विकास लख घराने से माना जाता है।

संस्थापक – विलायत खाँ

खुले बाज (लखनऊ) तथा बन्द बाज (दिल्ली) का सम्मिश्रण है।

प्रमुख तबला वादक – इसराज खाँ, सगीर ~~खाँ~~, ~~[illegible]~~ खाँ आदि।

5) **बनारस घराना** – जानकी सहाय के भाई राम सहाय है।

संस्थापक – राम सहाय

प्रमुख तबला वादक – ~~[illegible]~~ सामता प्रसाद, किशन महाराज कंठे महाराज।

6) **पंजाब घराना** – इसे स्वतंत्र घराना कहा जाता है।

संस्थापक – लाला भवानीदास

परवावज का सर्वाधिक प्रयोग

प्रमुख वादक – अल्लारक्खा खाँ, जाकिर हुसैन आदि।

Paper Code

07

## उत्तर सं॰ - 1 (b)

**आड़ाचारताल** – आड़ा चारताल की आड़ा चौताल भी कहते हैं।

इस ताल की लय डगमगाती हुई चलती है, अतः इसका नाम आड़ाचारताल पड़ा।

यह एक समपदीप ताल है, जिसका वादन तबले पर प्रमुखता से किया जाता है। यह एक खुले बोलों की ताल है। इसमें 14 मात्राएं होती हैं।

| | |
|---|---|
| मात्रा | 14 |
| विभाग | 7 |
| ताली | 1, 3, 7, 11 पर |
| खाली | 5, 9, 13 पर |

### ठेका

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मात्रा – | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| बोल – | धिं | तिरकिट | धी | ना | तू | ना | क | त्ता |
| चिन्ह – | X | | | | | | | |

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

08

## ठेका

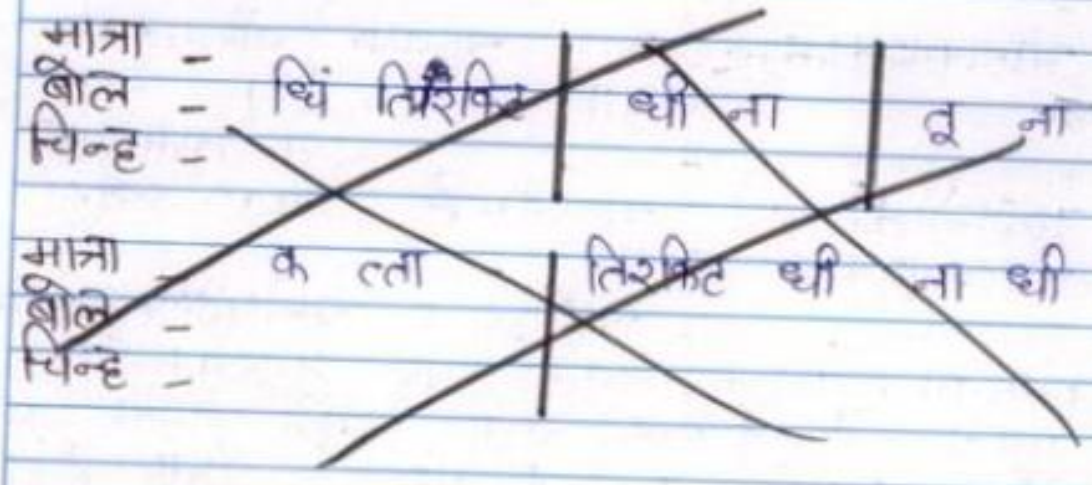


## ठेका

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मात्रा – | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| बोल – | धिं | तिरकिट | धी | ना | तू | ना | क | त्ता |
| चिन्ह – | X | | 2 | | 0 | | 3 | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मात्रा – | 9 | | 11 | 12 | 13 | 14 | | |
| बोल – | तिरकिट | धी | ना | धी | धी | ना | | |
| चिन्ह – | 0 | | 4 | | 0 | | | |

## उत्तर सं० - 1 (ह)

अजराड़ा घराना - अजराड़ा घराने के जनक कल्लू खाँ और मीरू खाँ हैं। इन्होंने दिल्ली जाकर उस्ताद सिताब खाँ दादी से तबले की शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात वापस आकर एक नई शैली विकसित की जिसे अजराड़ा घराने के नाम से जाना गया। दिल्ली से सम्बन्धित होने के कारण इसमें उसके गुण तो हैं ही किन्तु कुछ अन्य विशेषताओं के कारण ये शैली विकसित हुई -

* बाँया या डग्गा का प्रयोग कलात्मक रूप से।
* बोल आड़ की डगमगाती लय में चलते हैं।
* मिस्त्र जाति के कायदे का वादन अधिक होता है।

इसके कुछ प्रमुख तबला वादक हबीबुद्दीन खाँ, रमजान खाँ, अकरम खाँ आदि ने इस घराने का प्रचार प्रसार कर नए आयाम दिए

Do Not Write anything in this Portion



## उत्तर सं० - 1(f)

अवनद्ध वाद्य - वह वाद्य जिसमें चमड़े पर आघात कर स्वर / बोल उत्पन्न किये जाते हैं। पाँच अवनद्ध वाद्य के नाम इस प्रकार हैं।

1) तबला
2) ढोल
3) परवावज
4) मृदंग
5) नक्काश

## उत्तर सं० - 1(g)

तिलवाड़ा ताल - यह 16 मात्रा की ताल होती है। यह समप्रदीप ताल है। तिलवाड़ा ताल का वादन विलम्बित ख्याल आदि में किया जाता है। यह तबले की बंद बोलों की ताल है।

मात्रा - 16
विभाग - 4
ताली - 1, 5, 13 पर
खाली - 9 पर

## ठेका

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मात्रा - | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| बोल - | धा | तिरकिट | धिं | धिं | धा | धा | तिं | तिं |
| चिन्ह - | X | | ✓ | | 2 | | | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मात्रा - | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 |
| बोल - | ता | तिरकिट | धिं | धिं | धा | धा | धिं | धिं |
| चिन्ह - | 0 | | | | 3 | | | |

## उत्तर सं० - 1 (b)

तीव्रा ताल - यह 7 मात्रा की ताल है, इसमें एक भी खाली नहीं होती है। यह विषमपदीय ताल है। इसका वादन मुख्यतः पखावज पर होता है तथा यह खुले बोल की ताल है।

✓

मात्रा - 7
विभाग - 3
ताली - 1, 4, 6 पर
खाली - एक भी नहीं।

Do Not Write anything in this Portion

# ठेका

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मात्रा | – | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| बोल | – | धा | दिं | ता | तिट | कत | गदि | गन |
| चिन्ह | – | × | | | 2 | | 3 | |

~~[illegible]~~

## उत्तर सं॰ – 1 (a)

तत वाद्य – वह वाद्य जिसमें तंत्र या तार पर आघात करके स्वर उत्पन्न किये जाते हैं तत वाद्य कहलते हैं। ये दो प्रकार के होते हैं – तत तथा वितत वाद्य

तत वाद्य के पांच नाम इस प्रकार हैं –

1) सारंगी
2) सरोद
3) वीणा
4) सितार
5) वायलिन

## खण्ड - ब (उत्तर सं० - 3.)

**तीनताल –** यह 16 मात्रा की ताल है। इसमें द्रुत ख्याल, रजाखानी गत आदि बजाई जाती है। यह समपदीय ताल है। यह तबले की बन्द बोलों की ताल है।

मात्रा – 16
विभाग – 4
ताली – 1,5,13 पर
खाली – 9 पर

## तीनताल कायदा

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धा | धा | ते | टे | \| | धा | धा | तू | ना |
| ब X | | | | \| | 2 | | | |
| ता | ता | ते | टे | \| | धा | धा | तू | ना |
| 0 | | | | \| | 3 | | | |

## पलटे

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1) | धाधा | तेटे | धाधा | तेटे | \| | धाधा | तेटे | धाधा | तूना |
| | X | | | | \| | 2 | | |
| | ताता | तेटे | ताता | तेटे | \| | धाधा | तेटे | धाधा | तूना |
| | 0 | | | | \| | 3 | | |

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code



| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धाधा | तेटे | तेटे | तेटे | धाधा | तेटे | धाधा | तू० |
| × | | | | 2 | | | |
| ताता | तेटे | तेटे | तेटे | धाधा | तेटे | धाधा | तू० |
| 0 | | | | 3 | | | |

×

## खण्ड - स

## उत्तर सं० - 8

बाज - तबला वादन के घरानों को अर्थात 'वादन की शैली' को 'बाज' कहते है।

जब कोई संगीतकार किसी शैली का प्रयोग करता है तथा उनके शिष्य और वंश के लोग भी उसी का प्रचार - प्रसार करते हैं तो घराने का विकास होता है। इन्हीं घराने की वादन शैलियों को बाज का नाम दिया गया तथा इनको दो भागों में विभाजित किया जाता है -

1) पश्चिम बाज
2) पूरब बाज

| | पश्चिम बाज | पूरब [illegible] |
|---|---|---|
| 1) | इस बाज के अन्तर्गत दिल्ली तथा अजराड़ा घराना आते हैं। | इस बाज के अन्तर्गत लखनऊ, बनारस तथा फर्रूखाबाद घराना आते हैं। |
| 2) | इसका वादन तबले पर होता है। उ० सिद्धार दाढ़ी खाँ ने पखावज के जोरदार खुले बोलो को तबले पर नवीनरूप में प्रस्तुत किया | इसका वादन पखावज पर होता है, परन्तु वर्तमान में कुछ वादक तबले पर भी इसका प्रयोग करते हैं। |
| 3) | ~~ब~~ यह बन्द तथा कोमल बोलों का होता है। | यह खुले एवं जोरदार बोलों का होता है। |
| 4) | पश्चिम बाज दो उंगलियों का बाज, चाटी या किनार का बाज भी कहते हैं। | इसे खुला बाज या पूरब बाज भी कहते हैं। |
| 5) | इसके बोल दूसरे बाज की अपेक्षाकृत कोमल हैं। | इसके बोल गूंजयुक्त तथा जोरदार होते हैं। |
| 6) | इसमें, पेशकार, चतस्त्र, तिस्त्र जाति के कायदे व रेले का अधिक प्रयोग होता है। | इसमें, उठान, पेशकार, टुकड़े के अतिरिक्त गतों का अधिक प्रयोग किया जाता है। |

Do Not Write anything in this Portion

| | |
|---|---|
| इस बाज के कुछ प्रमुख तबला वादक – नत्थू खाँ, महबूब खाँ, सिद्धार खाँ दाढ़ी, रमजान खाँ, हबीबुद्दीन खाँ, कालु खाँ, मीरू खाँ आदि हैं। | इस बाज के प्रमुख तब वादक – पं. रामसहाय, उ. विलायत खाँ, मीठु ख बख्शू खाँ, आबिद हुसैन वाजिद हुसैन आदि हैं। |

Paper Code

17

X

Do Not Write anything in this Portion

X

Paper Code

19

X

Paper Code



Do Not Write anything in this Portion

X

Paper Code

Paper Code



Do Not Write anything in this Portion

X

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code